अधिशासी सारांश (Executive summary)

मुख्य बातें

- वर्तमान में यू के की कुल जनसंख्या में 8 प्रतिशत अल्पसंख्यकों का है। 1999 और 2009 के बीच, यह कार्य करने वाली आयु के व्यक्तियों में विकास का आधा हिस्सा होंगे।
- सरकार और नियोक्ताओं (Employers) के सामने, और साथ-साथ अल्पसंख्यकों को अपने लिए, सबसे बडी चुनौती यह होगी, कि उनकी ताकत और गुणों का सबसे उत्तम प्रकार से उपयोग करना।
- वर्तमान में, विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के लेबर मार्केट की उपलब्धियों की प्राप्ती में, बडे पैमाने पर विभिन्नतायें हैं।
- भारतिय और चीनी, आमतौर पर, अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, और आमतौर पर स्कूलों और लेबर मार्केट में गोरे व्यक्तियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह सफलता दिखाती है कि, किसी भी सफल आर्थिक और सामाजिक समावेश के लिए कोई भी अजय अडचनें नही हैं।
- हांलाकि, अन्य समूह कुछ कम अच्छा कार्य कर रहे हैं। पाकिस्तानी, बंगलादेशी और ब्लैक कैरबियन के अनुभवों पर, साधारणतयः, उनमें गोरे व्यक्तियों के मुकाबले बेरोजगारी की दर अधिक है और कमाई की कम है। यह केवल आर्थिक खर्चों को ही नही लाता है, बल्कि सामाजिक एकता के लिए भी एक भावी खतरा है। स्कूलों और लेबर मार्केट में इन समूहों की कार्यक्षमता में सुधार लाने का कार्य, सरकार के लिए मुख्य प्राथमिकता है।
- विशेषरुप से, इस रिपोर्ट में दिये गये सबूत यह दिखाते हैं, कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों - वो भी जो कि इनकी तुलना में सफलता का अधिक आंनद उठा रहे हैं, जैसे कि भारतिय और चीनी - उनकी शिक्षा और अन्य गुणों को देखते हुए, वह इतना अच्छा कार्य नही कर रहे हैं जितना कि उन्हें करना चाहिए। सरकार को इस पर कार्य करने के लिए नये ढाँचे की स्थापना करने की ज़रुरत है।
- यह रिपोर्ट एक नये तरीके या रवैये के बारे में बताती है, जो कि, उन कारणों को देखने वाली उन भेदभाव करने वाली परंपरागत पॉलिसियों से भी दूर तक देखती है, जो कि किसी कार्य और कैरियर की सफलता के रास्ते में आते हैं, जिसमें कि स्कूलों, कार्यों, आवास और भेदभाव के प्रति लक्षित करके बनाई गई कार्यवाहियाँ हैं। यह दिखाता है कि व्याप्क पैमाने पर सामाजिक और सिविल एकता बनाये जाने के लिए आर्थिक एकता या समावेश एक मुख्य हिस्सा है। अल्पसंख्कों के लिए उपलब्धियों में सुधार लाने के लिए किये गये कार्य, आर्थिक स्थिती को अधिक मजबूत करके *और* मजबूत सामाजिक एकता से, दोहरा लाभ प्रदान कर सकते हैं।
- पॉलिसियों के बारे में उठाये गये मुख्य कदम, चार श्रेणियों में आते हैं:
  - शिक्षा में उपलब्धियों और कार्यप्रवीणता के स्तर को बढाने के द्वारा, अल्पसंख्यकों में रोजगार में सुधार के लिए कार्य;
  - रोजगार के वर्तमान कार्यक्रमों में संशोधन करके, अल्पसंख्यकों को कार्यों से जोडने की कार्यवाही, पिछड़े या अविकसित क्षेत्रों में कुछ विशेष अड़चनों से निपटना, जैसे की बेकार परिवहन, और स्वंय रोज़गार को बढावा देना;
  - कार्य स्थलों पर बेहतर सलाह और कर्मचारियों को सहारा प्रदान करके, और सार्वजनिक दूतकार्यों जैसे लीवर के प्रभावशाली उपयोग के द्वारा, समान अवसरों को बढावा देने के लिए कार्य; और
  - क्रॉस डिपार्टमैंट टास्क फोर्स से सम्बंधित मंत्रियों, उच्च पदा-धिकारियों और उन बाहरी विशेष स्टेकहोल्ड़र्ज़ के द्वारा प्रतिनिधित्व किये जाने वाली सेवाओं की अदायगी के लिए कार्यवाही, जो कि कार्य और पेंशन के स्टेट ऑफ सैक्रेटरी के द्वारा, इकनॉमिक अफेयर, प्रॉडक्टिविटी और कम्पीटटिवनेस के कैबिनेट कमेटी (Cabinet Committee on Economic Affairs, Productivity and Competitiveness) को रिपोर्ट करते हैं।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करने का है कि अल्पसंख्यकों को अपनी उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार की अड़चनों का सामना न करना पडे। दस वर्षों के समय में, ब्रिटेन में रहने वाले अल्पसंख्यकों को अब लेबर मार्केट में उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए अवसरों तक पहुँचने और समझने के लिए, अड़चनों की विषमता या असंगतता का सामना नही करना पड़ेगा।

- **उन्नती को इन पैमानों से मापा जायेगा: रोज़गार और पैसे की कमाई में बढौतरी; अल्पसंख्यकों के कैरियर बनने के ग्राफ में सुधार; सुधरी हुई राष्ट्रिय आर्थिक कार्यक्षमता; और अधिक सामाजिक संयोगता या लगाव।**

- **यह बहुत सारे विषयों में मजबूत सुधार होने पर निर्भर करता है, जैसे कि: निम्नस्तर के योग्यताप्राप्त ग्रुपों को उच्च स्तर के योग्यताप्राप्त ग्रुपों में ले जाने के लिए, शैक्षणिक उपलब्धियों को बढाना; जॉबसैंटर प्लस सर्विस में अल्पसंख्यकों के अनुसार चलाए जा सकने वाले अधिक कार्य; नियोक्ताओं के द्वारा समान अवसरों की पॉलिसियों को अपनाना और उनके प्रति जागरुकता पैदा करना।**

- **इस कार्यबद्ध योजना को लागू करने की अधिक जिम्मेदारी सरकार और इसकी ऐजेन्सियां उठाती हैं। हांलाकि, यह रिपोर्ट इस बात को भी साफ करती हैं कि अल्पसंख्यक समुदायों की भी अपने प्रति, और साथ ही साथ प्राईवेट नियोक्ताओं और सार्वजनिक संस्थानों के प्रति, जिम्मेदारी है।**

साधारणतयः, अल्पसंख्यक लेबर मार्केट में अपने गोरे प्रतिद्वंदियों की तुलना में कम लाभदायक स्थिती में हैं।
रोज़गार की दर, सभी अल्पसंख्यक ग्रुपों में गोरों की जनसंख्या के मुकाबले कम है। भारतियों के महत्वपूर्ण अपवादों के [1]साथ, उनकी कमाई और कार्य में उन्नति निश्चित रुप से कम है। और उल्लेखनिय रुप से यह दूरी बंद या समाप्त नही हो रही है।

हांलाकि, यह बहुत सारी विभिन्नताओं को छुपाता है: गोरों की सफलता और अल्पसंख्यकों की कम उपलब्धियों की तस्वीरें अब पुरानी हो चुकी हैं।
पिछले तीन दशकों में, यू के में रहने वाले कुछ अल्पसंख्यकों ने बहुत अच्छा कार्य किया है। रोज़गार, कमाई और कार्य में उन्नति के लिए बने पैमाने पर, यह बिल्कुल साफ नमूना दिखाई देता है कि, भारतिय न केवल अन्य अल्पसंख्यकों की अपेक्षा ही बहुत आगे हैं, या बहुत बढिया कार्य कर रहे हैं, बल्कि आमतौर पर गोरों से भी अच्छा कार्य कर रहे हैं। यह नमूना उनकी शैक्षणिक योग्यताओं की उपलब्धियों में भी दिखाई देता है, जो कि लेबर मार्केट की लम्बे समय तक की सफलता के अवसरों को मजबूत बनाता है।

लेकिन सभी अल्पसंखयक - जिसमें कि "सफल" ग्रुप भी शामिल हैं - उतना अच्छा कार्य नही कर रहे हैं जितना कि वह कर सकते थे।
लेबर मार्केट में अल्पसंख्यकों और गोरों की कार्यक्षमता के बारे में बहुत महत्वपूर्ण और चिन्ताजनक भेदभाव है, जो कि शिक्षा और कार्यप्रवीणता के भिन्न-भिन्न स्तरों के लिए आरोपनीय नही है। कार्यस्थल पर दृढतापूर्वक होने वाला भेदभाव इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। कार्यों और सामाजिक नेटवर्क तक सीमित पहुंच भी, इसके प्रभाव के लिए उल्लेखनीय और विलक्षण कारण हैं।

अल्पसंख्यकों की अधिकतर कार्यक्षमता का उपयोग न कर पाने ने यू के की आर्थिक कार्यक्षमता को प्रभावित किया है।
अगले दशक के लिए जिन अल्पसंख्यकों की, कार्य करने वाली आयु की जनसंख्या के ग्रुप में आधे से अधिक के अनुपात में उनकी गणना की गई है, अगर वह लेबर मार्केट की उपलब्धियों को प्राप्त करने में आने वाली सम्सयाओं को सुलझाने में नाकामयाब रहते हैं, तो इसके बहुत गहरे आर्थिक परिणाम होंगे।

[1]साथ, इस शब्दावली को जानने के लिए, जिसमें कि 'अल्पसंख्यक' और 'गोरे' भी शामिल हैं, इसकी मुख्य रिपोर्ट के अनुबंध ३ को देखें।

किसी विशेष अल्पसंख्यक समूह की रोज़गार की नीची दर, आर्थिक उन्नति को भी नीचे बांधे रखती है, विशेषरुप से पूर्ण रोज़गार और कार्यप्रवीणता मे कमी के संदर्भ में। उदाहरण के लिए, अगर पाकिस्तानियों की रोज़गार की दर उनके अपने भारतिय प्रतिदवंदियों के साथ मेल खा जाये, तो इस आयु वर्ग में पुरुषों और महिलाओं का अनुपात उसी क्रम में 24 और 136 प्रतिशत बढ जायेगा, इसका मतलब है कार्यों पर 96,000 व्यक्तियों की वृद्धी। इसी प्रकार से, अगर काले, पाकिस्तानी और बंगलादेशी समूहों की रोज़गार की दर अपने भारतिय प्रतिद्वंदियों के समान हो जाए, तो ब्रिटेन के कार्यबलों की संख्या में 180,000 से अधिक व्यक्तियों की वृद्धी होगी।

लेबर मार्केट की हॉनी भावी सामाजिक खर्चों को भी बढायेगी। लेबर मार्केट में किसी उपलब्धी की प्राप्ती का न होना, सामाजिक बहिष्कार को जन्म देता है, ब्रिटेन में रहने वाले अल्पसंख्यकों के बीच के सम्बंधों को बिगाडता है और सामाजिक एकता को खतरे पर रखता है।

हालांकि, समुदायों के अंदर और भिन्न-भिन्न समुदायों के साथ, इस हॉनी की प्रकृति और सीमा में बडे पैमाने पर भिन्नता है,

1960 के दौरान और 1980 की तुलना में, वर्तमान में अल्पसंख्यकों की स्थिती बहुत अधिक जटिल है। इसमें बहुत सारी भिन्नतायें हैं, उदाहरण के लिए, विभिन्न ऐशियन समूहों के बीच, जिसमें की भारतियों की रोज़गार और व्यवसाय की दर, पाकिस्तानियों और बंगलादेशियों की तुलना में अधिक है, और इसके साथ-साथ महिलाओं में भाग लेने की दर भी अधिक है। और दुबारा से, काली जनसंख्या में क्षती या हानि का नमूना भिन्न प्रकार का है। जबकी काले अफ्रिकन समूहों और गोरों के बीच, साधारण वेतन और व्यवसायिक उपलब्धियों में केवल बहुत थोड़ा सा अंतर है, लेकिन तुलना में काले कैरिबियन समूह विशेष रुप से पिछड़े हुए हैं।

अल्पसंख्यक समूहों के बीच की यह भिन्नता, लेबर मार्केट के परिणामों को भी आकार देती है। लिंग, पीढी और भूगोल विद्या इसमें मुख्य भूमिका अदा करते हैं। लिंग के मामले में, बहुत सारे ऐशियन समूहों की पहचान, महिलाओं के भाग लेने की कम दर से की जाती है, जो कि कभी-कभी काले करेबियन जनसंख्या के मामले में इसका बिल्कुल उल्टा होता है। देशान्तरवास करने वाले अल्पसंख्यकों के बीच की पहली पीढी, आमतौर पर अपने बच्चों की तुलना में लेबर मार्केट में कुछ कम अच्छा कार्य करती है। आखीर में, बस जाने का नमूना, कुछ समूहों का देश के किसी विशेष हिस्से में बस जाना दिखाता है - उदाहरण के लिए अधिकतर पाकिस्तानियों का घनत्व मिड़लैंडस और नॉर्थ में होना - इसने रोज़गार के परिणामों को भी प्रभावित किया है।

लेबर मार्केट की क्षती या हानि के कारण भी भिन्न नही हैं।

लेबर मार्केट की क्षती या हानि के इस नमूने का कोई एक कारण नही है। विभिन्न अल्पसंख्यकों की पृष्ठ-भूमी, संस्कृति, और पारिवारिक पैटर्न, यह सब इसमें भूमिका अदा करते हैं। शैक्षणिक उपलब्धियों का न होना इन कारणों की एक पहचान है और अपने आप में भी एक इसका महत्वपूर्ण कारण है। उन विद्यार्थियों का अनुपात, जिनके A*-C में पाँच या अधिक GCSE के ग्रेड पाना, पाकिस्तानी और बंगलादेश के विद्यार्थियों में बहुत कम है, विशेषरुप से लड़कों के बीच, और उसके बाद गोरों के बीच - यद्यपी भारतियों का GCSE में उपलब्धी, वास्तव में गोरों की जनसंख्या से अधिक है। हांलाकि, जबकी शैक्षणिक उपलब्धियों में भिन्नता का हिसाब-किताब रखा जाता हो, तब भी अल्पसंख्यक लेबर मार्केट में एक विशेष हॉनि का अनुभव करते हैं।

साधारणतयः, अल्पसंख्यक - जिसमें भारतिय भी शामिल हैं - वह कार्य नही कर पाते हैं जो कि उनकी योग्यता के स्तर के अनुसार उचित होता है।

इसके बहुत सारे कारण हैं। कुछ मामलों में, अल्पसंख्यकों का घनत्व पिछड़े क्षेत्रों मे है, इन क्षेत्रों में अड़चने होती हैं - जैसे कि खराब सार्वजनिक यातायात और उन क्षेत्रों में अकेलापन जहाँ पर अधिकतर बेरोज़गार घर हैं - यह भी बिना असमानुपातिक तरीके से अल्पसंख्यकों को प्रभावित करता है।

हांलाकि, इस बात के बहुत ठोस सबूत हैं कि भेदभाव इसमें एक विशेष भूमिका अदा करता है। समान अवसरों के विधान ने, भेदभाव और प्रताड़ना, और अप्रत्यक्ष भेदभाव [2] को दूर करने में कुछ सफलता प्राप्त की है - जहाँ पर पॉलिसियाँ तथा प्रथायें अल्पसंख्यकों को योजनाबद्ध तरीके से अनचाहे परिणाम लाती हैं - वहाँ पर यह एक समस्या है।

यह रिपोर्ट, लेबर मार्केट में अल्पसंख्यकों की उपलब्धियों को बढाने की क्रमबद्ध योजना के बारे में बताती है।

इस क्रमबद्ध योजना का उद्देश्य यह हैं कि, अगले दस वर्षों के समय में, ब्रिटेन में रहने वाले अल्पसंख्यक समूह, लेबर मार्केट में उपलब्धियों को प्राप्त करने के अवसरों को समझने और उन तक पहुँचने में, किसी भी असमानुपातिक अड़चनों का सामना न करें। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए यह योजना:

- विभिन्न अल्पसंख्यक समूहों के बीच और उनमें आपस में ही, लेबर मार्केट में होने वाली हानि की सीमा, प्रकृति और कारणों में व्याप्क विभिन्नताओं के कारणों का हिसाब-किताब रखती है;
- यह सुनिश्चित करती है कि उन्नती को मापा जाए और उसकी जाँच-पड़ताल हो;
- यह वर्तमान पॉलिसियों में सुधार करें - आमतौर पर शालीन लेकिन साकारात्मक परिवर्तनों के द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए, कि अल्पसंख्यकों को लेबर मार्केट में उपलब्धियों की अदायगी इसकी मुख्य धारा की पॉलिसियों और कार्यक्रमों के द्वारा हो, जो कि उनके अपने उपभोगताओं की जरुरत के प्रति अधिक उत्तरदायी हैं; और
- इस बात की पहचान करे कि सरकार के बाहर, अल्पसंख्यक समुदायों की अपने प्रति कुछ जिम्मेदारियां हैं, विशेषरुप से ऐसे क्षेत्रों में, जैसे कि स्कूलों और समुदायों के बीच के सम्बंध।

यह योजना इस प्रकार से बनाई गई है, जिससे जटिल सच्चाई या वास्तविकताओं के प्रति अधिक केन्द्रित उत्तरों का मिलना सुनिश्चित किया जा सके।

विभिन्न अल्पसंख्यकों में लेबर मार्केट की जटिलता और अस्थिरता की स्थिति का अर्थ है कि इसके समाधान के लिए बनाये गये मौलिक समाधान आमतौर पर अनुचित होंगे। इसकी बजाए, इस योजना की रचना इस प्रकार से की गई है कि यह, विभिन्न समूहों की विभिन्न जरुरतों को पूरा करने के लक्षित कार्यों की अनुमती देती है। कुछ मामलों में, माता-पिता को स्कूलों में अधिक काम करने को प्राथमिकता दी जा सकती है; कुछ मामलों में यह अधिक लचीले रोजगार के कार्यक्रमों या व्यापार के बारे में सलाह तक पहुँच हो सकती है; अन्य दूसरों में, किन्हीं विशेष नियोक्ताओं के बीच एक सीमित जागरुकता लाने के लिए प्राथमिकता हो सकती है।

यह योजना चार मुख्य क्षेत्रों के ऊपर केन्द्रित है: शिक्षा, रोज़गार, समान अवसरों और उनकी अदायगी।

यह योजना इन बातों पर केंद्रित है:

- अल्पसंख्यकों को रोजगार देने में सुधार करना;
- अल्पसंख्यकों का कार्य के साथ होने वाले सम्बंधों में सुधार;
- समानता के अवसरों को बढावा देना; और
- सरकारी ढाँचों मे सुधारों के द्वारा, होने वाले परिवर्तनों की अदायगी करना।

[2] की परिभाषाओं के लिए इसकि मुख्य रिपोर्ट के उपाबंध 3 को देखें।

अल्पसंख्यक विद्यार्थियों में शैक्षणिक योग्यताओं को बढावा देने के लिए व्यवहारिक माप-दंड़ों की ज़रुरत है....

स्कूलों में उच्च उपलब्धियों को प्राप्त करना, एक सफल लेबर मार्केट की कार्यक्षमता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हांलाकि, कुछ अल्पसंख्यक समूहों के द्वारा स्कूलों में बहुत बढिया प्रदर्शन के बावजूद भी, अन्य लगातार पीछे जा रहे हैं। यह रिपोर्ट;

- यह प्रस्ताव करती है, कि अल्पसंख्यकों को वर्तमान शैक्षणिक लक्ष्यों मे शामिल करने से, 'अंडर अटैनिग ग्रुप्स' की प्राप्ती के द्वारा GCSE में लगातार स्थिरता लाने से रोका जा सके।
- अल्पसंख्यक समूहों के बीच उनकी उपलब्धियों के डेटा में अधिक पारदर्शिता की सिफारिश करना;
- स्कूलों और अध्यापकों को, विभिन्न समुदायों के विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक पढाने के लिए, बेहतर प्रशिक्षण देने के बारे में सूचना प्रदान करने के लिए कदम उठाना;
- यह बताना कि आर्थिक सहायता ओर निरीक्षण के प्रबन्धों को किस प्रकार से अल्पसंख्यकों के द्वारा शैक्षणिक उपलब्धियों को प्राप्त करने के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है; और
- नये डेटा को इकट्ठा करने और उसका विशलेषण करके, अल्पसंख्यकों की उपलब्धियों के मामलों को समझने में सुधार लाने के उंपायों के बारे में बताना।

...व्यक्तियों को कार्य से जोड़ना, विशेषरुप से पिछड़े क्षेत्रों में...

लेबर मार्केट के कार्यक्रमों, विशेषरुप से न्यू डील को, निजी सलाहकार के द्वारा सूचना, प्रशिक्षण और सहारा प्रदान करके, व्यक्तियों को कार्य स्थलों से जोड़ने के लिए बनाया गया है। हालांकि, अल्पसंख्यकों को इस न्यू डील की कुछ योजनाओं से पूरा लाभ प्राप्त नही हो रहा है। यह रिपोर्ट, इस स्थिती से निपटने के बारे में व्यवहारिक उपायों के बारे में बताती है, जिसमें यह शामिल हैं:

- यह सुनिश्चित करने के बारे में उपाय, कि अल्पसंख्यकों के लिए रोजगार की मुख्यधारा के कार्यक्रम 'रीच आऊट' ("reach out") अधिक प्रभावशाली हों, उदाहरण के लिए, जॉब सैंटर प्लस एक्शन प्लान (Jobcentre Plus Action Plan) को दोहरा कर; और
- न्यू डील के कार्यक्रमों के लचीलेपन को और बढाने का प्रस्ताव, जो कि 'टेलर्ड पाथवेज' और 'एमप्लॉयमैंट जोन' के नवीनीकरण की सफलताओं पर आधारित हैं, जो कि अल्पसंख्यकों की जरुरतों को पूरा करने में और भी सप्ष्टतौर पर लचीलेपन तथा इच्छओं का प्रयोग करता है।

अल्पसंख्यकों का घनत्व पिछड़े हुए क्षेत्रों में असमानुपातिक रुप से अधिक हे, जिनको कि आमतौर पर तुलना इस प्रकार के कारणों से की जाती है, जो कि बेरोजगार से जुड़े हुए हैं - शिक्षा के बेकार स्तर, उन सामाजिक आवासों और व्यापार का घनत्व, जो कि ऊपर उठने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नेबरहुड रिन्यूल स्ट्रैटजी (The Neighbourhood Renewal Strategy) पहले से ही इन सम्सयाओं से निपट रही है। हालांकि इसको इन बातों के ऊपर बनाया जा सकता है:

- आवासों, प्रशिक्षण और रोजगार के प्रयासों के बीच मजबूत सम्बंध स्थापित करना। उदाहरण के लिए, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों को बढावा देने के लिए, जॉबसैंटर प्लस ऑफिस को सोशल आवास प्रदानकर्त्ताओं के साथ साँझेदारी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए; और
- आवासिय और लेबर मार्केट की चलनशीलता को बढावा देने के लिए, हाउसिंग और एम्पलॉयमैंट मोबिलिटी सर्विस (Housing and Employment Mobility Service (HEMS) को बार-बार एक ही दिशा में घूमना चाहिए।

जबकी अल्पसंख्यकों में स्वंय के रोजगार का स्तर काफी ऊंचा है, तब भी अल्पसंख्यकों के व्यापार आमतौर पर बहुत छोटे रहते हैं, और उनके फेल हो जाने की दर अपेक्षित रुप से अधिक रहती है। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि वर्तमान व्यापारिक सलाह सेवा उन तक नही पहुंच रही है। यह रिपोर्ट:

- स्मॉल वेजनेस सर्विस और बिजनेस लिंक को, अल्पसंख्यकों के व्यापारों के बारे में अधिक सूचना प्राप्त करने के लिए, एकसाथ मिलकर कार्य करने के लिए कहती है, ताकी अल्पसंख्यकों तक पहुंचने के लिए और अधिक प्रभावशाली योजनायें बनाई जा सकें; और
- और इस बात की सिफारिश करती है कि स्मॉल बिजनेस सर्विस अपनी सेवाओं के बारे में, अल्पसंख्यक व्यापारियों के बीच, इसकी जागरुकता के स्तर को ऊपर उठायें, उदाहरण के लिए, अल्पसंख्यक व्यापारियों के डेटाबेस और अल्पसंख्यक व्यापारिक असोसियेशन्ज के साथ साँझेदारी में कार्य करने के लिए, राष्ट्रिय स्तर पर छानबीन करे।

... और कार्यस्थल के अंदर समानता के अवसरों को बढावा

नस्ली सम्बंधों और कर्यस्थल पर समानता के अवसरों में पिछले तीन दशकों में निःसंदेह सुधारों के बावजूद, नस्ली भेदभाव और प्रताडना अभी भी होती है। अप्रत्यक्ष भेदभाव के प्रति जागरुकता अभी केवल कुछ नियोक्ताओं तक ही सीमित है। यह रिपोर्ट:

- उन वर्तमान सेवाओं को बढाने की मांग करती है, जो कि समानता के अवसरों के लिए अच्छे आचरणों या अभ्यासों को समर्थन यह सुनिश्चित करने के लिए देते हैं, कि अधिक से अधिक नियोक्ता कार्यस्थल पर इस समानता के अवसरों को प्रदान कर सकें;
- इस बात का प्रस्ताव रखती है कि सरकार कार्यस्थल पर होने वाले भेदभाव को दूर करने या इससे निपटने के लिए एक उत्तम सुचारित प्रणाली के बारे में पुनरावलोकन करे, पहले तो इस बात पर सोव-विचार कर के कि क्या एम्पलॉयमैंट ट्रिब्यूनल्ज (Employment Tribunals) को, भेदभाव के कारणों के बारे में बड़े पैमाने पर अपनी संस्तुतियां देने की आज्ञा दी जाए या नही, जो कि किसी व्यक्ति विशेष की शिकायतों द्वारा अनुभव की गई समस्याओं से और भी पीछे तक जाती हैं;
- इस बात की सिफारिश करती है कि सरकार को सार्वजनिक अथॉरिटी के लिए, ठेकेदारों के रोजगार के अभ्यासों में परिवर्तन लाने के लिए सार्वजनिक दूतकार्य को एक लीवर की तरह प्रयोग में लाने के बारे में, निर्देश बनाने चाहिएं; और
- उन जरुरतों को सहारा देती है, जो कि समाज में समानता के अवसरों को समझने को बढावा देने वाले मोर्चों को बनाता है।

इस योजना के पुलिंदे को लागू करने के लिए, सरकार के ढाँचों और वर्तमान कार्य करने के तरीकों में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने की ज़रुरत होगी

इस रिपोर्ट की योजना को प्राप्त करने के लिए, सरकार को अपने उन रास्तों को बदलने की जरुरत होगी, जिनका प्रयोग वह अल्पसंख्यकों कि जरुरतों को पूरा करने के लिए कर रहे हैं। कुछ निजी विभागों द्वारा कुछ कार्यों को तुरंत आगे बढाने की ज़रुरत होगी। जबकी अन्यों में और अधिक अंर्त-विभागीय सहयोग की जरुरत है।

DWP और DTI पहले से ही PSA लक्ष्य को, अल्पसंख्यकों की रोजगार दर और कुल रोजगार दर में भिन्नता को महत्वपूर्ण तरीके से कम करने के लिए, आपस में बाँट रहे हैं। अब प्राथमिकता पहली-लाईन के विभागों के लिए है, जो कि इस आर्थिक पॉलिसी के लिए व्याप्क रुप से जिम्मेदार हैं - DfES, DTI और DWP – जो कि बहुत शसक्त तरीके से अल्पसंख्यकों पर केंद्रित हैं। इसको और आगे ले जाने के लिए:

- एक टास्क फोर्स की स्थापना की जायेगी, जिसकी अध्यक्षता कार्य के लिए मंत्री करेंगे, जो कि सरकार के अंदर के पदाधिकारियों और बाहरी मुख्य स्टेकहोल्डर्ज को पास लायेगा - जो कि विभाग की और अधिक सहयोगित तरीके से कार्य करके, और अल्पसंख्यकों के लिए लेबर मार्केट में उपलब्धियों में सुधार लाने को प्रदान कर के सहायता करेगा;
- DWP में एक मिनिस्ट्रियल चैम्पियन (Ministerial Champion), वर्क और पैंशन के सैक्रेटरी ऑफ स्टेट को इसकी सूचना देगा, जो कि केबिनेट कमेटी ऑन इकनॉमिक अफेयर्ज़, प्रॉडक्टिवीटि और कंमपीटिटिवनेस (Cabinet Committee on Economic Affairs, Productivity and Competitiveness) के प्रति जिम्मेदार होगा; और
- टास्क फोर्स इसकी उन्नती की रिपोर्ट वार्षिक रुप से देंगी, जिसमें कि तीन वर्षों के बाद, रिपोर्ट के निष्कर्शों के लागू होने के प्रभावों के बारे में पूरा पुनरावलोकन शामिल होगा।